# उत्तरांचल बांस एवं रेशा विकास परिषद्, द्वितीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 21/11/2003

मुख्य सचिव उत्तरांचल/पदेन अध्यक्ष, उत्तरांचल बांस एवं रेशा विकास परिषद् कार्यालय में बोर्ड की द्वितीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 21/11/2003 कों संपन्न हुई। इस बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित थे।

1. डा0 आर0 एस0 टोलिया, मुख्य सचिव उत्तरांचल देहरादून।
2. श्रीमती विभा पुरी दास, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास, उत्तरांचल, देहरादून।
3. श्री किशन नाथ, संयुक्त सचिव, वन एवं पर्यावरण, उत्तरांचल देहरादून (प्रतिनिधि सचिव वन एवं पर्यावरण)
4. श्री एम0 एम0 हरबोला, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल
5. श्री एस0 टी0 एस0 लेप्चा, वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तरांचल बांस एवं रेशा विकास परिषद्।
6. श्रीमती रंजना काला, परियोजना निदेशक, जलागम निदेशालय, देहरादून। (सिबार्ट प्रतिनिधि)
7. श्री राजीव ओबराय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एस0 पी0 डी0 देहरादून (गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि)

बैठक के आरम्भ में अध्यक्ष महोदय ने समस्त उपस्थित सदस्यों का अभिवादन किया तत्पश्चात् पूर्व में निर्धारित ऐजेन्डा के अन्तर्गत चर्चा प्रारम्भ की गई। बैठक में मुख्य रूप से निम्न निर्णय लिए गए।

1. मुख्य सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि वन विभाग द्वारा प्राकृतिक रूप से उगे हुए रामबांस के बुलबिल अधिक मात्रा में एकत्रित कर नर्सरी में पौध तैयार किया जाए। सूचना प्रभागवार एकत्रित की जाए।

2. बांस की तरह रेशों की भी सूचना एकत्र की जाए।

3. आरगेनिक बोर्ड की ढकरानी स्थित Center of Excellence में भ्रमण कर बांस एवं रेशा का भी उसी तरह Center of excellence विकसित किया जाए।

4. Industrial Hemp का उत्तरांचल में mapping किया जाए तदनुसार नियंत्रित रूप से खेती करने हेतू अग्रिम कार्यवाही की जाए।

5. इंडियन ग्लाइकोल लि0 काशीपुर अथवा अन्य किसी रासायनिक प्रयोगशाला से संपर्क कर रामबांस के अवशिष्ट पदार्थों का परीक्षण कराया जाए तथा उसमें इस्तेमाल किए जा सकने वाले तत्व का पता लगाया जाए।

6. उत्कृष्टता केन्द्र पनियाली हेतू रेशा संबंधित विभिन्न उपकरण एवं उससे बनी विभिन्न वस्तुओं के नमूने क्रय कर प्रदर्शित किए जाएं।

7. उत्तरांचल वन विभाग में करीब 40 प्रजातियों के उत्कृष्टता केंन्द्र बनाए गए हैं। इनमें रेशा संबंधित प्रजातियों का पता लगाया जाए एवं संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी से उक्त प्रजाति के विकास हेतू संपर्क किया जाए।

8. एम0 पी0 आर0 सरल एवं स्पष्ट भाषा में तैयार की जाए ताकि उसका प्रारूप आम आदमी की समझ में आ सके जिससे उसमें बांस एवं रेशा हेतू जिज्ञासा उत्पन्न की जा सके। एम0 पी आर0 में नवीन गतिविधियों के चित्रों को भी प्रकाशित किया जाए।

9. बांस एवं रेशों के विकास हेतू आज तक जारी किए गए समस्त शासनादेश एवं निर्देशों का संकलन तैयार किया जाए एवं संबंधित विभागों को वितरित किया जाए।

10. बांस एवं रेशा पर आधारित बुलेटिन सांतवी विश्व बैंबू कांग्रेस से पूर्व प्रकाशित किया जाए।

11. निजी भूमि पर बांस के कटान एवं ढुलान हेतू ट्रांजिट पास को प्रमुख वन संरक्षक उत्तरांचल द्वारा आदेश जारी कर बांस का ट्रांजिट समाप्त किया जाए।

12. शिवालिक हित्स–।। परियोजना में मुख्यतः मूली बांस (Mellocanna baccifera) का प्रायोगिक तौर पर गली प्लगिंग हेतू उपयोग किया जाए। जिसमें रामबांस एवं अन्य बांस की प्रजातियों का भी प्रयोग किया जाए।

13. बोर्ड द्वारा तैयार किए गए लॉगफ्रेम एवं विजन डाक्यूमेंट का हिन्दी रूपांतर किया जाए।

14. सांतवी विश्व बैंबू कांग्रेस में बोर्ड द्वारा पेपर प्रस्तुत करने हेतू तैयारी की जाए।

15. सर्वसम्मति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि बोर्ड का अध्यक्ष पद मुख्य सचिव, उत्तरांचल के पास रहेगा। यह भी निर्णय लिया गया कि सचिव जलागम के स्थान पर उपाध्यक्ष पद प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास के पास रहेगा एवं सचिव वन एवं पर्यावरण/जलागम पदेन सदस्य रहेंगे।

16. सिबार्ट के कार्यालय के पूर्ण रूप से उत्तरांचल में संचालित होने के कारण उनके प्रतिनिधि के रूप में नामित श्रीमति रंजना काला, परियोजना निदेशक, जलागम निदेशालय के स्थान पर सिबार्ट का ही प्रतिनिधि को बोर्ड सदस्य के रूप में नामित किया जाए।

17. बोर्ड के पास किसी प्रकार के बजट आने तक जलागम निदशालय द्वारा बोर्ड के कार्यों के सुचारू रूप से संचालन हेतू धनराशि उपलब्ध कराई जाए।

18. कार्यकारिणी समिति को यह भी अवगत कराया गया कि 21 अक्तुबर से बोर्ड का कार्यालय पूर्ण रूप से आरम्भ किया गया है। श्री एस0 टी0 एस0 लेप्चा द्वारा वन

संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी/सदस्य सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया गया। उनके साथ निम्न स्टाफ कृषि विविधिकरण परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया गया है।

श्री विमल कुमार धीमान : तकनीकी विशेषज्ञ (31 मार्च 2004 तक)
श्री शशि भट्ट : पियन (29 फरवरी 2004 तक)
श्री गिमिराजपाल : पियन (29 फरवरी 2004 तक)

19. अध्यक्ष महोदय द्वारा यह भी निर्देश दिया गया है कि बांस एवं रेशा के टिश्यू कल्चर पौध तैयार करने हेतू निजी संस्थानों से एम0 ओ0 यू0 तैयार कर अग्रिम कार्यवाही की जाए।

अंत में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद करते हुए बैठक समाप्त की।

एस0 टी0 एस0 लेंप्चा
वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी/पदेन सदस्य सचिव
उत्तरांचल बांस एवं रेशा विकास परिषद्
देहरादून

अनुमोदित

डा0 आर0 एस0 टोलिया
मुख्य सचिव उत्तरांचल शासन
एवं पदेन अध्यक्ष, उत्तरांचल बांस एवं रेशा विकास परिषद्
देहरादून

# उत्तरांचल बांस एवं रेशा विकास परिषद(UBFDB)

## द्वितीय कार्यकारिणी बैठक

**दिनांक : 21 नवम्बर, 2003**

| क0 सं0 | नाम | पद | हस्ताक्षर |
|---|---|---|---|
| 1. | डा0 आर0 एस0 टोलिया | मुख्य सचिव उत्तरांचल/पदेन अध्यक्ष | |
| 2. | श्रीमती विभा पुरी दास | प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास उत्तरांचल/ पदेन सदस्य | |
| 3. | श्री बी0 पी0 पाण्डे | सचिव वन एवं पर्यावरण/ पदेन उपाध्यक्ष | |
| 4. | श्री एम0 एम0 हरबोला | प्रमुख वन संरक्षक उत्तरांचल/पदेन सदस्य | |
| 5. | श्री एस0 टी0 एस0 लेप्चा | वन संरक्षक/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी/पदेन सदस्य सचिव | |
| 6. | श्रीमती रंजना काला | परियोजना निदेशक, जलागम निदेशालय/सिबार्ट प्रतिनिधि/पदेन सदस्य | |
| 7. | श्री राजीव ओबराय | मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एस0 पी0 डी0 /गैर सरकारी संस्था प्रतिनिधि/सदस्य | |
| 8. | किशन नाथ | संयुक्त सचिव, वन एवं पंचायतीराज | |
| 9 | | | |